84th class Hindi Bodh Ch. 6 (Vyakhya)

1) **देखो कोयल-----मिसरी घोली।**

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठयपुस्तक हिन्दी बोध की कविता कोयल से ली गई है।इस कविता की रचयिता सुभद्रा कुमारी चौहान हैं।इस कविता में कवयित्री ने कोयल की मीठी वाणी के बारे मे बताया है ।

व्याख्या- इन पंक्तियों में कवयित्री कहती है कि कोयल का रंग देखने में काला है लेकिन इसकी वाणी बहुत ही सुरीली और मीठी है।अपनी इसी वाणी के कारण ही इसने कूक कूक कर आमों में मिसरी अर्थात् मीठापन घोला है ।

2)क्या गाती हो,----------मेघों से पानी ।

व्याख्या—इन पंक्तियों में कवयित्री कहती है कि कोयल रानी तुम क्या गाना गाती हो और किसे बुलाती हो ? क्या तुम प्यासी धरती को देखकर मेघों(बादलों)से पानी माँगती हो?

प्रशन 5 नीचे दी गई पंक्तियों का

भावार्थ लिखो—(पेज 41)

क) देखो कोयल काली है , पर मीठी है इसकी बोली।

भावार्थ-इस पंक्ति में कवयित्री ने कहा है कि कोयल में बाहरी सौंदर्य नहीं है , उसके शरीर का रंग काला है, परंतु उसकी मीठी बोली सबको खुश कर देती है । यही उसकी विशेषता है ।

2) **बहुत भली हो , तुमने माँ की, बात सदा ही मानी है ।**

भावार्थ- इस पंक्ति में कहा गया है कि कोयल बहुत नेक जीव है । उसकी यह विशेषता है कि वह हमेशा अपनी माँ की बात मानती

है ।